जेफ बेजोस व amazon की अपार सफलता

प्रदीप ठाकुर

जेफ बेजोस

व

amazon की अपार सफलता

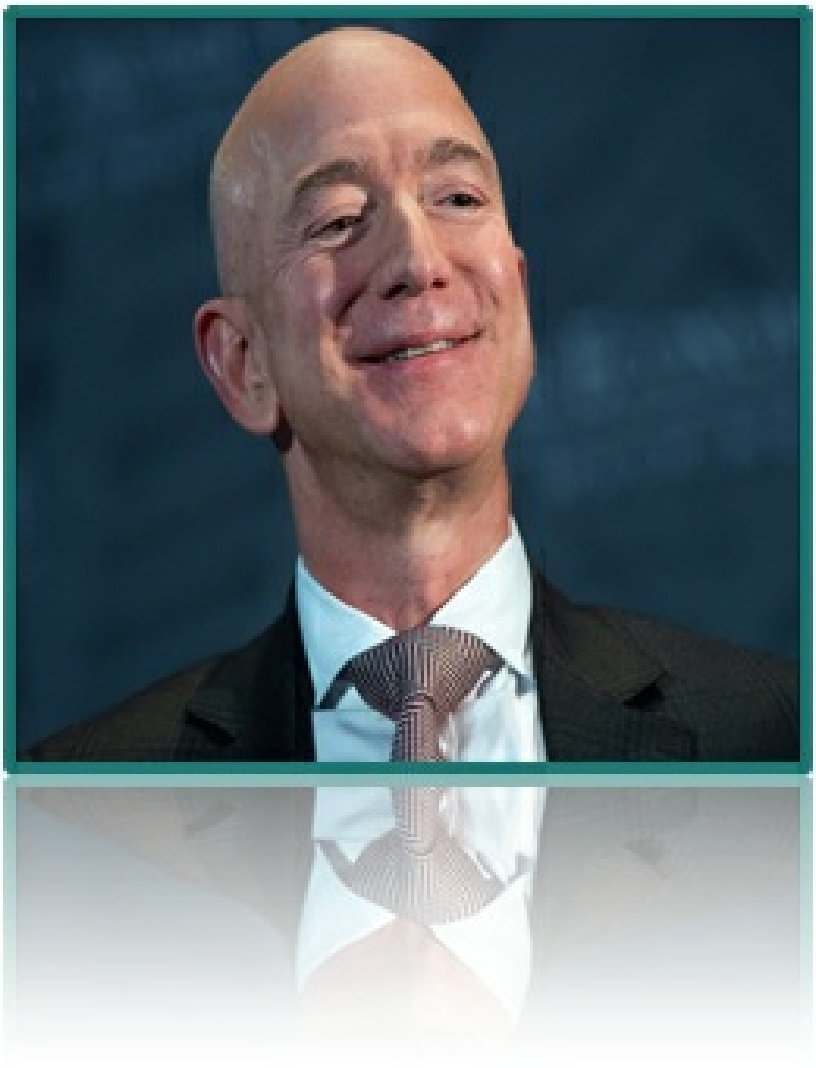

प्रदीप ठाकुर

प्रकाशक— प्रभात प्रकाशन प्रा. लि.
4/19 आसफ अली रोड, नई दिल्ली-110002
E-mail: prabhatbooks@gmail.com
www.prabhatbooks.com
© Prabhat Prakashan

अनुक्रम

अध्याय-1 नाबालिग माँ का विलक्षण बेटा

अध्याय-2 पेशेवर जीवन में बढ़ते कदम

अध्याय-3 इंटरनेट की अपार संभावनाएँ

अध्याय-4 ...और, शुरू हुआ अमेजन.कॉम

अध्याय-5 इंटरनेट-अश्वमेध का घोड़ा

अध्याय-6 ई-वाणिज्य का 'वालमार्ट' सपना

अध्याय-7 'बुलबुला' तो फट गया, लेकिन...

अध्याय-8 निजी सपनों की 'अंतरिक्ष' उड़ान

अध्याय-1

नाबालिग माँ का विलक्षण बेटा

अभी जैकलीन 'जैकी' गिसे 16 वर्ष से कुछ ऊपर थी और 10वीं में ही पढ़ रही थी कि उसे पता चला था कि वह गर्भवती हो गई है। पिछले कुछ समय से वह अपने ही विद्यालय के 12वीं कक्षा के छात्र थिओडोर जॉन 'टेड' जॉर्गेन्सन के साथ 'डेट' पर जा रही थी। वह 18 वर्ष का था और एक पहिए की साइकिल चलाने में कई स्थानीय प्रतियोगिताएँ जीत चुका था। यह कोई अनहोनी नहीं थी। दोनों प्यार में थे और उन्होंने शादी करने का फैसला किया था। दोनों के माता-पिता एक-दूसरे को जानते थे। 19 जुलाई, 1963 को जैकी के घर में दोनों की शादी हुई थी। चूँकि गिसे नाबालिग थी, इसीलिए उसकी माँ व जॉर्गेन्सन ने शादी के अनुज्ञा-पत्र के लिए आवेदन पर हस्ताक्षर किए थे। बच्चा 12 जनवरी, 1964 को पैदा हुआ था। दोनों ने उसका नाम जेफरी प्रेस्टन जोर्गेन्सन रखा था।

यह अल्बुकर्क, न्यू मैक्सिको के दक्षिणी किनारे पर स्थित सैंडिया बेस की घटना है। सैंडिया बेस 1946 से 1971 तक, संयुक्त राज्य अमेरिका के रक्षा विभाग की शीर्ष गोपनीय सबसे बड़ी परमाणु हथियार स्थापना थी। सैंडिया बेस व इसकी सहायक स्थापना मानजानो बेस में द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान मैनहट्टन परियोजना के अंतर्गत परमाणु हथियार अनुसंधान, विकास, रूपरेखा निर्माण, परीक्षण व प्रशिक्षण शुरू किया गया था, जो अगले 25 वर्षों तक जारी रहा था। इन स्थापनाओं की गतिविधियों को संयुक्त राज्य परमाणु ऊर्जा आयोग (यूएस एटॉमिक एनर्जी कमीशन) की क्षेत्रीय शाखा द्वारा नियंत्रित किया जाता है और जैकलीन गिसे के पिता लॉरेंस प्रेस्टन गिसे उसके क्षेत्रीय निदेशक थे। दूसरी तरफ, 'टेड' जॉर्गेन्सन का जन्म शिकागो में हुआ था। टेड के पिता ने परिवार को अल्बुकर्क स्थानांतरित कर लिया था, जब वह व उसका छोटा भाई गॉर्डोन प्राथमिक विद्यालय में पढ़ रहा था। टेड के पिता ने सैंडिया बेस में खरीद अभिकर्ता (परचेज एजेंट) की नौकरी कर ली थी और वहाँ आपूर्ति सामग्रियों की खरीद का काम सँभाल लिया था। टेड के दादा डेनमार्क के अप्रवासी थे और स्पेन-अमेरिका युद्ध के अंतिम जीवित बचे वरिष्ठों में से एक थे। इस तरह, गीसे व टेड के पिता एक-दूसरे को जानते थे।

शादी के बाद, नवविवाहित माता-पिता नगर साउथ-ईस्ट हाइट्स उपनगर में रहने लगे थे। वहीं रहते हुए जैकी गिसे ने उच्च विद्यालय की पढ़ाई पूरी की थी। दिन में उसकी माँ मैटी बच्चे की देखभाल करती थी। परिस्थिति कठिन थी। टेड जोर्गेन्सन के पास एक चेवी कार के अतिरिक्त कुछ भी नहीं था। वह एक पहिएवाली साइकिल का प्रदर्शन करने एक दल के साथ काम करता था, जिससे उसे बहुत कम आमदनी हो रही थी। बाद में, टेड ने एक विभागीय भंडार में 1.25 डॉलर प्रति घंटे की नौकरी शुरू की। कभी-कभी जैकी बच्चे के साथ भंडार में आती थी। चूँकि दोनों युवा व अपरिपक्व थे, इसीलिए उनकी शादी लगभग शुरुआत से ही बिगड़ने लगी थी। टेड को बहुत अधिक शराब पीने और मित्रों के साथ कार में घूमने की आदत थी। टेड जोर्गेन्सन बेपरवाह पिता व पति था। जैकी के पिता लॉरेंस प्रेस्टन गिसे ने उसकी मदद की कोशिश की थी; उसने न्यू मैक्सिको विश्वविद्यालय में अपने दामाद की पढ़ाई का खर्च उठाया था, लेकिन कुछ छमाही के बाद ही टेड ने पढ़ाई छोड़ दी थी। उसके बाद, लॉरेंस प्रेस्टन गिसे ने न्यू मैक्सिको स्टेट पुलिस में टेड जोर्गेन्सन को नौकरी दिलाने की कोशिश की थी, लेकिन टेड ने उस अवसर में रुचि नहीं दिखाई थी।

…और अंतत: जैकी को अपने बच्चे के साथ अपने माता-पिता के साथ सैंडिया बेस में वापस आ गई थी। जून 1965 में, जब बच्चा 17 महीने का था, जैकी ने विवाह-विच्छेद का आवेदन कर दिया था। न्यायालय ने टेड जोर्गेन्सन को बच्चे की सहायता के लिए प्रतिमाह 40 डॉलर का भुगतान करने को कहा था। न्यायालय के अभिलेख के अनुसार उस समय टेड जोर्गेन्सन की मासिक आय 180 डॉलर थी। अगले कुछ वर्षों तक टेड बच्चे को देखने के लिए कभी-कभार आता रहा था, लेकिन कई बार मासिक सहायता राशि की भुगतान कर पाने में असफल रहा था। वह निर्भर रहने योग्य नहीं था और उसके पास पैसे नहीं होते थे।

इस बीच जैकी ने किसी प्रकार उच्च विद्यालय की पढ़ाई पूरी करने के बाद सामुदायिक महाविद्यालय की पढ़ाई भी पूरी कर ली थी, और बैंक ऑफ़ न्यू मैक्सिको की स्थानीय शाखा में बही-लेखक (बुक कीपर) की नौकरी करने लगी थी। इसके साथ ही जैकी ने किसी और के साथ 'डेट' करना शुरू कर दिया था। कई अवसरों पर जब टेड अपने बच्चे से मिलने के लिए जैकी के पास आता था, तो दूसरा व्यक्ति भी वहाँ होता था और वे दोनों एक-दूसरे को अनदेखा करते थे। लेकिन जब टेड ने आसपास के लोगों से पूछा था तो उसे पता चला था कि वह व्यक्ति अच्छा था।

1968 में एक दिन जैकी ने टेड जोर्गेन्सन को दूरभाष किया था और बताया था कि वह दुबारा शादी करनेवाली थी और ह्यूस्टन स्थानांतरित हो रही थी। वह बच्चे को समर्थन देना बंद कर सकता था, लेकिन वह जेफरी को अपने नए पति का उपनाम और उसे बच्चे को गोद लेने देना चाहती थी। जैकी ने टेड जोर्गेन्सन को कहा था कि वह उनके जीवन में हस्तक्षेप न करे। इस समय के आसपास जैकी के पिता ने भी टेड को पटा लिया था और इस बात के लिए प्रतिज्ञा करवा ली थी कि वह जैकी के नए जीवन से पूरी तरह दूर रहेगा। लेकिन गोद लेने की वैधानिक प्रक्रिया में टेड की अनुमति की आवश्यकता थी। जैकी के पिता ने उसे बार-बार समझाया था कि जैकी व उसके नए पति के बेटे के रूप में जेफरी का भविष्य अधिक अच्छा रहनेवाला था। अंतत: टेड जोर्गेन्सन को भी यह तर्क सही लगा था और उसने जेकी के नए पति को गोद लेने की अनुमति दे दी थी। कुछ वर्षों बाद, टेड को उन लोगों के बारे में कुछ भी पता चलना बंद हो था और उसने उनके उपनाम को भी भूलना शुरू कर दिया था। इतना ही नहीं, अगले कई दशकों तक टेड को पता नहीं चला था कि उसके बेटे जेफरी का क्या हुआ था? वास्तव में टेड अपनी बुरी आदतों व अपने ही गलत फैसले को लेकर पछताता रहा था और कभी भी जेफरी के बारे में जानने का साहस नहीं जुटा सका था।

जैकलीन 'जैकी' गिसे का नया पति था। मिग्यूल एंजेल 'माइक' बेजोस पेरेज़, जिससे उसकी भेंट बैंक में हुई थी। वास्तव में माइक बेजोस अभी 15 वर्ष का ही था, जब क्यूबा में 1962 (16 से 28 अक्तूबर) में संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा इटली व टर्की में प्रक्षेपास्त्र (बैलिस्टिक मिसाइल) तैनात किए जाने के बाद सोवियत संघ ने क्यूबा में अपना पक्षेपास्त्र तैनात कर दिया था, और तत्कालीन विश्व की दो महाशक्तियों के बीच चल रहा शीतयुद्ध (कोल्ड वार) परमाणु-युद्ध (एटॉमिक वार) की स्थिति में आ गया था, जिसे 'क्यूबा प्रक्षेपास्त्र संकट' कहा जाता है। उस समय क्यूबा के अधिकांश परिवार अपने युवाओं को फिदेल कास्त्रो शासित सोवियत संघ के वामपंथी प्रभाव में रहकर अपना भविष्य बरबाद करने की बजाय अमेरिका भाग जाने के लिए प्रेरित कर रहे थे। उससे तीन वर्ष पूर्व 1959 में क्यूबा क्रांति से मिग्यूल एंजेल बेजोस पेरेज़ का आरामदेह जीवन बिखर गया था। वह उस समय सैंटियागो डी क्यूबा के सोसाइटी ऑफ़ जीसस द्वारा संचालित संभ्रांत निजी विद्यालय 'कोलेजिओ डे डोलोरेस' में पढ़ रहा था। यह क्यूबा का दूसरा सबसे बड़ा शहर व सैंटियागो डी क्यूबा प्रांत की राजधानी है, जो कि क्यूबा की राजधानी हवाना के 870 किमी दक्षिण-पूर्व में स्थित है। रोचक तथ्य है फिदेल कास्त्रो भी इसी विद्यलय से पढ़ा था,

लेकिन उसने इस विद्यालय को समाजवादी युवा शिविर में बदल दिया था और निजी कंपनियों को बंद कर दिया था, जिसमें माइक बेजोस के पिता व चाचा द्वारा संचालित लकड़ी व अन्य भवन निर्माण सामग्रियों के गोदाम भी शामिल थे। माइक बेजोस भी वहाँ अधिकतर सुबह में काम करता था। लेकिन विद्यालय व कारोबार बंद होने के बाद उसके पास गली में अपने साथियों के साथ खेलने के अतिरिक्त और कोई काम नहीं बचा था। लेकिन माइक के माता-पिता तब बहुत अधिक चिंतित हो गए थे, जब उन्हें पता चला था कि वह ऐसा कुछ करने लगा था, जो उसे नहीं करना चाहिए था, जैसे कि वह फिदेल कास्त्रो के विरोध में नारे लिखने लगा था। ऐसे में उन्होंने माइक को अमेरिका भेजने की तैयारियाँ शुरू कर दी थीं, क्योंकि उन्हें यह समझते देर नहीं लगी थी कि माइक की कास्त्रो विरोधी गतिविधियाँ उसके संकट का कारण बन सकती थीं और उसका भविष्य चौपट हो सकता था।

लेकिन माइक के माता-पिता को कैथोलिक चर्च के तत्वावधान में उसके लिए पासपोर्ट प्राप्त करने में एक वर्ष की प्रतीक्षा करनी पड़ी थी। माइक की माँ अपने बेटे के ठंडे वातावरण में जाने को लेकर इतनी चिंतित थी कि उसने अपनी बेटी के साथ पुराने चीथड़ों से उसके लिए एक स्वेटर बुना था। माइक ने हवाई अड्डे तक इसे पहना था। यह स्वेटर अब माइक बेजोस के अप्सेन (कोलराडो) के उसके निवास की दीवार पर टँगा हुआ है। माइक की माँ ने उसे हवाई अड्डे के बाहर तक छोड़ा था और उसके विमान के उड़ने तक वहीं खड़ी रही थी। माइक के परिवार की आशा यह थी कि यह तात्कालिक मजबूरी थी, जब तक कि क्यूबा की राजनीतिक स्थितियाँ वापस सामान्य नहीं हो जातीं।

माइक बेजोस जब 1962 में मियामी पहुँचा था, 16 वर्ष का था। उसके पास एक जोड़ी कमीज-पतलून थी, जिनमें से एक उसने पहन ही रखा था। वह अंग्रेजी में केवल एक शब्द 'हैमबर्गर' बोल सकता था। वह कैथोलिक चर्च द्वारा संचालित बचाव कार्यक्रम 'ऑपरेशन पेड़ो पैन' का सबसे अधिक आयु का सदस्य था। अमेरिकी सरकार द्वारा बड़े स्तर पर समर्थित इस कार्यक्रम के अंतर्गत लगभग 1960 के दशक के शुरुआती वर्षों में 14 हजार क्यूबाई बच्चों को फिदेल कास्त्रो के चंगुल से बाहर निकालकर अमेरिका में शरण दी गई थी। कैथोलिक वेलफेयर ब्यूरो ने माइक को दक्षिणी फ्लोरिडा के मटेकम्बे (मोनरो काउंटी के इसलामोरडा गाँव के भीतर एक क्षेत्र) स्थित एक शिविर में लाया था। इस शिविर में पहले से ही दूसरे 400 निर्वासित बच्चे रह रहे थे। संयोग अच्छा था कि अगले ही दिन एंजल को भी उसी शिविर में लाया गया था। अभी वहाँ कुछ सप्ताह ही बीते थे कि उन्हें शिविर के कार्यालय में बुलाया गया था और उन्हें बक्से के साथ-साथ मोटे जैकेट दिए गए थे। उन्हें विलमिंगटन (डेलावेयर राज्य का सबसे बड़ा शहर, जो डेलावेयर घाटी महानगर क्षेत्र के न्यू कैसल काउंटी का केंद्र है) स्थित सामूहिक घर में भेजा जा रहा था।

माइक व एंजल को 'कासा डे सेल्स' नामक सुविधा में रखा गया था, जहाँ पहले से लगभग दो दर्जन क्यूबाई शरणार्थी बच्चे रह रहे थे। युवा पुजारी फादर जेम्स बायर्न्स इन बच्चो की देखभाल कर रहे थे, जो फर्राटेदार स्पेनिश बोलते थे और वोदका के भी शौकीन थे। उन लोगों को बाद में पता चला था कि पुजारी फादर जेम्स बायर्न्स भले ही युवा मन के थे, अभी हाल में ही गिरिजाघर की शिक्षा लेकर लौटे थे, लेकिन वह ऊँची श्रेणी के प्राधिकारी थे। उन्होंने उन लोगों को अंग्रेजी पढ़ाई थी और उन लोगों को अपने अध्ययन पर ध्यान केंद्रित करने के लिए बाध्य कर दिया था। इतना ही नहीं, फादर सभी बच्चों में हरेक को प्रति सप्ताह 50 सेंट देते थे, ताकि वे लोग शनिवार रात्रि में आयोजित होनेवाले नृत्य कार्यक्रम में हिस्सा ले सकें।

'कासा डे सेल्स' की सुविधा में एक वर्ष में उच्च विद्यालय स्तर की शिक्षा पूरी करने के बाद माइक बेजोस अल्बुकर्क विश्वविद्यालय में नामांकन के लिए अलबुकर्क, न्यू मैक्सिको चला आया था। यह एक कैथोलिक

विश्वविद्यालय था (जो 1986 में बंद हो गया था) और क्यूबाई शरणार्थियों को पूर्ण छात्रवृत्तियाँ प्रदान कर रहा था। महाविद्यालय की पढ़ाई करते हुए, अतिरिक्त आय के लिए उसने भी अन्य क्यूबाई छात्रों की तरह रात की पाली में बैंक ऑफ़ न्यू मैक्सिको में किरानी नौकरी करने लगा था। यह वही समय था, जब हाल में ही विवाह-विच्छेद होने के बाद जैकलिन गिसे ने भी बैंक के लेखा विभाग में खाता-लेखक की नौकरी शुरू की थी। दोनों की पालियों की अदला-बदली में एक घंटा का समय लगता था। माइक बेजोस ने अपनी मोटी क्यूबाई उच्चारण में कई बार जैकलीन गिसे को बाहर चलने का आग्रह किया था, लेकिन वह बहुत समय तक उस आग्रह को विनम्रतापूर्वक ठुकराती रही थी। लेकिन अंततः जैकी भी मान गई थी···और पहली 'डेट' पर दोनों 'द साउंड ऑफ़ म्यूजिक' देखने सिनेमा गए थे। फिर दोनों के बीच निकटता बढ़ने लगी थी और माइक बेजोस उसके घर भी जाने लगा था। जैकी के माता-पिता को माइक के व्यक्तित्व ने प्रभावित किया था और उन्होंने माइक को जैकी के लिए सुयोग्य पति के रूप में मानना शुरू कर दिया था।

अलबुकर्क विश्वविद्यालय से स्नातक होने के बाद, माइक बेजोस ने अप्रैल 1968 में स्थानीय कांग्रेगेशनल चर्च में जैकी से विवाह किया था। सैंडिया बेस कोलराडो क्लब में स्वागत समारोह का आयोजन हुआ था। माइक को एक्सॉन मोबिल में पेट्रोल अभियंता के रूप में नौकरी मिल गई थी और वह अपने पेशेवर जीवन की शुरुआत करने के लिए परिवार के साथ ह्यूस्टन (टेक्सास) में स्थानांतरित हो गया था। चार वर्ष का बालक जेफरी प्रेस्टन जोर्गेन्सन अब जेफरी प्रेस्टन बेजोस हो गया था और माइक बेजोस को 'डैड' पुकारने लगा था। एक वर्ष के बाद माइक व जैकी को एक बेटी क्रिस्टीना पैदा हुई थी और उसके एक वर्ष बाद बेटा मार्क। जेफरी अपने दोनों बहन-भाइयों के साथ अपने दत्तक पिता माइक बेजोस के अनुशासित जीवन, अनथक कार्यनिष्ठा और बहुधा अमेरिका के अवसर व व्यक्तिगत स्वतंत्रता के प्रति अपार प्रेम के प्रकटीकरण को परखते हुए बड़ा होने लगा था।

कुछ वर्षों बाद, ह्यू□स्टन में जेफ को प्रतिभाशाली बच्चों के कार्यक्रम के माध्यम से रिवर ओक्स एलीमेंट्री स्कूल में नामांकित कराया गया था। इस विद्यालय में जाने के लिए अन्य बच्चों सहित जेफ को प्रतिदिन 20 मील की यात्रा करनी पड़ती थी। इस विद्यालय ने जेफ को कंप्यूटर से भी परिचय कराया था। ह्यू□स्टन की एक कंपनी ने विद्यालय को कंप्यूटर टर्मिनल प्रदान किया था और मेनफ्रेम कंप्यूटर पर विद्यालय को पर्याप्त समय प्रदान किया था। याद रहे कि उस समय व्यक्तिगत कंप्यूटर नहीं होता था और कंप्यूटर टर्मिनल पर बच्चों को सीमित समय दिया जाता था। कंप्यूटर टर्मिनल को दूरभाष आधारित मॉडेम के माध्यम से मेनफ्रेम कंप्यूटर के साथ जोड़ा जाता था। लेकिन यह प्रक्रिया कठिन थी। इस व्यवस्था को संचालित करने के लिए कंपनी ने टर्मिनल के साथ-साथ कई नियमावलियाँ भी भेजी थीं। लेकिन विद्यालय में कोई भी इस टर्मिनल को चलाना नहीं जानता था। ऐसे में जेफ ने अपने कुछ साथियों के साथ इसे चलाने की ठानी थी। उन लोगों ने विद्यालय समय के बाद नियमावलियों को ध्यान से पढ़ना शुरू कर दिया था और टर्मिनल को चलाने की कोशिश की थी। लेकिन कंप्यूटर चलाने का यह उत्साह लगभग एक सप्ताह भर बना रहा था। इस बीच जेफ व उनके साथियों ने मेनफ्रेम कंप्यूटर पर कुछ खेल ढूँढ़ लिया था और वे लोग वही खेलने लगे थे।

इस बीच जैकलीन गिसे के पिता लॉरेंस प्रेस्टन गिसे ने वाशिंगटन में बैठे अपने आकाओं से मतभेद होने के कारण 1968 में केवल 53 वर्ष की आयु में संयुक्त राज्य परमाणु ऊर्जा आयोग के क्षेत्रीय निदेशक पद से त्यागपत्र दे दिया था। वह अपनी पत्नी मैट्टी के साथ कोटुल्ला (ला सैले काउंटी, टेक्सास) में उसके वंशजों द्वारा अधिगृहित-विकसित 25,000 एकड़ के विशाल पशुपालन व खेतीबाड़ी क्षेत्र (रैंच) में सेवानिवृत्त जीवन बिताने चले गए थे। चार वर्ष की आयु से लेकर 16 वर्ष तक जेफरी प्रेस्टन 'जेफ' बेजोस की ग्रीष्मकालीन छुट्टियाँ अपने

नाना-नानी के साथ रैंच में बीतने लगी थी।

…और नाना-नानी उसे रैंच के कठिन जीवन की शिक्षा देने लगे थे, जो सबसे नजदीकी भंडार या अस्पताल 100 मील दूर था। लॉरेंस प्रेस्टन गिसे द्वितीय विश्व युद्ध में अमेरिकी नौसेना में लेफ्टिनेंट कमांडर रह चुके थे। उन्होंने कई रूपों में जेफ बेजोस के मार्गदर्शक की भूमिका निभाई थी। उन्होंने बेजोस में आत्मनिर्भरता व संसाधन संपन्नता के मूल्यों को कूट-कूटकर भरा था, साथ-ही-साथ अकुशलता के प्रति घृणा की भावना भी। प्रतिभाशाली वैज्ञानिक व परिश्रमी कृषक-उद्यमी लॉरेंस प्रेस्टन गिसे ने अपने रैंच में स्वचालित प्रवेश द्वार बनाकर, शक्तिशाली बुलडोजर की मरम्मत कर अपने नाती को उच्च प्रौद्योगिकी जगत् से परिचय कराया था। इसके साथ ही बालक जैफ बेजोस ने अपने नाना से धातुओं को जोड़ना (वैल्डिंग) और पशुओं को नामित करना भी सीखा था। इस प्रकार नाना के साथ रहते हुए जैफ का प्रौद्योगिकी-प्रेम व परिश्रमी स्वाभाव विकसित हुआ था।

जैकलिन गिसे ने बाद में अपने पिता के बारे में कहा था, "ऐसा बहुत ही कम काम था, जो वे स्वयं से नहीं कर सकते थे। वह मानते थे कि गैरेज में हरेक चीज कुछ ऐसी चीज थी, जिससे आप कुछ कर सकते थे।" यही कारण था कि वह सभी काम खुद करते थे और उनके साथ-साथ रहते हुए नाती जैफ भी सबकुछ सीखता चला गया था। जेकी ने नाना के साथ रहते हुए जैफ के सीखने के बारे में कहा था, "इनमें जो एक बात उसने सीखा था कि कोई भी समस्या बिना समाधान के नहीं होती है। बाधाएँ तभी बाधाएँ होती हैं, यदि आप सोचते हैं कि वे बाधाएँ हैं।"

इतना ही नहीं, नाना ने जैफ में शारीरिक श्रम के साथ बौद्धिक प्रयासों के प्रति जुनून भी प्रेरित किया था। वह अपने नाती को स्थानीय पुस्तकालय में भी ले जाते थे। यह स्थानीय निवासियों द्वारा दान की गई पुस्तकों से बनी पुस्तकालय थी, जिनमें से एक विज्ञान-कथाओं का प्रेमी था और उसने अपना विशाल संकलन दान किया हुआ था। जैफ को यह संकलन बहुत पसंद आया था और उसने अपने 12 वर्षों की ग्रीष्मकालीन यात्राओं के दौरान विज्ञान कथाओं के इस विशाल संकलन को खँगाला था और जूल्स वर्ने, आईसाक एसिमोव व रॉबर्ट हाइनलीन की मूल रचनाओं को पढ़ डाला था। संभवत: यह विज्ञान कथाओं का ही प्रभाव था कि जेफ बेजोस बड़े होकर अंतरिक्ष यात्री बनने की सोचने लगा था।

जैफ को थॉमस एडिसन व वाल्ट डिज्नी के बारे में पढ़ने में भी बहुत रुचि थी। ये दोनों उसके 'उद्यमी-महानायक' थे। अकेडमी ऑफ़ अचीवमेंट के एक साक्षात्कार में जेफ़ ने बचपने की अपनी रुचियों के बारे में कहा था, "मैं हमेशा से आविष्कारक व आविष्कार में रुचि लेता रहा हूँ।" उसने थॉमस एडिसन को 'अविश्वसनीय आविष्कारक' व वाल्ट डिज्नी को 'सच्चा अग्रदूत व आविष्कारक' कहकर प्रशंसा की थी। उसने कहा था कि उनके पास इतनी बड़ी दूरदृष्टियाँ थीं कि कोई भी अकेला आदमी उन्हें कभी भी नीचे नहीं गिरा सका था; थॉमस एडिसन ने इतनी सारी चीजें की थीं; और वाल्ट डिज्नी सचमुच में सम्मिलित दिशा में काम करनेवाले लोगों का बहुत बड़ा समूह बनाया था। लेकिन जैफ की सबसे बड़ी समस्या यह थी कि जोर से ठहाके लगाने की आदत के कारण एक बार उसका पुस्तकालय में जाने का विशेषाधिकार छिन गया था। लेकिन जैकी ने अपने बेटे के पढ़ने के उत्साह को कम नहीं होने दिया था। वह उसके कमरे में पुस्तकें उपलब्ध करवा देती थीं, ताकि वह उन्हें खुशी से पढ़ सके। और लॉरेंस प्रेस्टन गिसे अपने नाती जेफ के साथ रणनीति पटल खेल 'चेकर्स' भी खेला करते थे, लेकिन वे जान-बूझकर उसे एक बार भी जीतने नहीं देते थे। उनका मानना था कि जब जेफ बड़ा होकर खेल के लिए तैयार हो जाएगा तो वह उन्हें अवश्य हरा देने में सफल हो जाएगा।

जैफ जब 13 वर्ष का हुआ था, पदोन्नति के साथ माइक बेजोस का स्थानांतरण फ़्लोरिडा पैनहैंडल (उत्तर-पश्चिमी फ्लोरिडा) के बंदरगाह शहर पेंसाकोला में हो गया था और पूरा परिवार वहाँ चला गया था। वहाँ के मध्य